ont>

Title: Need to name Rajkot Airport after Maharishi Dayanand Saraswathi.

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर) : महोदय, 26 फरवरी, 2003 ई. को स्वराज के प्रथम मंत्रदृटा, सामाजिक क्रांति के अग्रदूत तथा पुनर्जागरण के पुरोधा महर्षि दयानंद सरस्वती का 179वां जन्मदिवस सारे राट्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सामाजिक कुरीतियों के मूलोच्छेदन करने, अस्पृश्यता (छुआछूत) को मिटाने, स्वाधीनता की चिंगारी को प्रज्जवलित करने, स्वराज्य, स्वधर्म, स्वाभिमान, स्वभाषा और स्वत्व तथा भारतीय अस्मिता को जागृत करने में स्वामी दयानंद सरस्वती का अप्रतिम योगदान रहा है। महात्मा गांधी, लोकमान्य बालगंगाधर तिलक, महामना मदन मोहन मालवीय, लाला लाजपत राय, सर सैय्यद अहमद खां, श्रीमती एनी बेसेंट, जवाहर लाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस, सबने महर्षि दयानंद सरस्वती के कार्यों एवं विचारों की भूरि-भूरि प्रशंसा की हैं। उन महर्षि दयानंद सरस्वती का जन्म गुजरात राज्य में टंकारा (मौरवी-राजकोट) में हुआ था।

अत: भारत सरकार से अनुरोध है कि महर्षि की पुण्य स्मृति में राजकोट हवाई अड्डे का नाम महर्षि दयानंद सरस्वती हवाई अड्डा रखा जाए।